Test-01

Mentorship Program

drishti

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे Time allowed: 3 Hours	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Vikas Kumar Meena **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:**

Center & Date: 701, 24-06-23 **UPSC Roll No.:** 0837686

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(3) खेल चरित्र का निर्माण नहीं करते है। वे इसे प्रकट करते हैं।

"पढ़ोगे लिखोगे बनोगे महान,
खेलोगे, कूदोगे बनोगे खराब।"

उक्त पंक्ति आमतौर पर परिवारों में सामान्यतः सुनी-कही जाती रही है। इसके पीछे एक मानसिक द्वन्द्व की उपस्थिति भी सदैव प्रतीत होती हुई दिखाई पड़ती है, वह है: चरित्र निर्माण के साथ-साथ आजीविका का प्रबंधन।

खेल आमतौर पर भारतीय परंपरा अथवा पारिवारिकता के विचार से शौकिया तौर पर एवं मनोरंजनात्मक तौर पर खेले जा सकते हैं, परंतु व्यावहारिक तौर पर शायद ही भारतीय अभिभावकों को चरित्र निर्माण का साधन लगे। बहरहाल खेलों को चरित्र निर्माण के अलावा शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक क्षमता निर्माण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हेतु देखा जाना अनिवार्यतः अपेक्षित है।

भारत के विषय में खेलों की ओर वर्तमान परिदृश्य में रुझान थोड़ा सकारात्मक तौर पर उभर रहा है। शायद इसके साथ ही भारतीय अभिभावकों की अपेक्षाएं खेलों के प्रति थोड़ी सुधरी हुई प्रतीत हो रहीं हैं।

वास्तव में खेल एक व्यक्ति के आंतरिक उत्कृष्ट व्यक्तित्व को समाज के सामने प्रकट करने का जरिया बन सकता है। क्योंकि खेल सर्वांगीण विकास का द्योतक है।

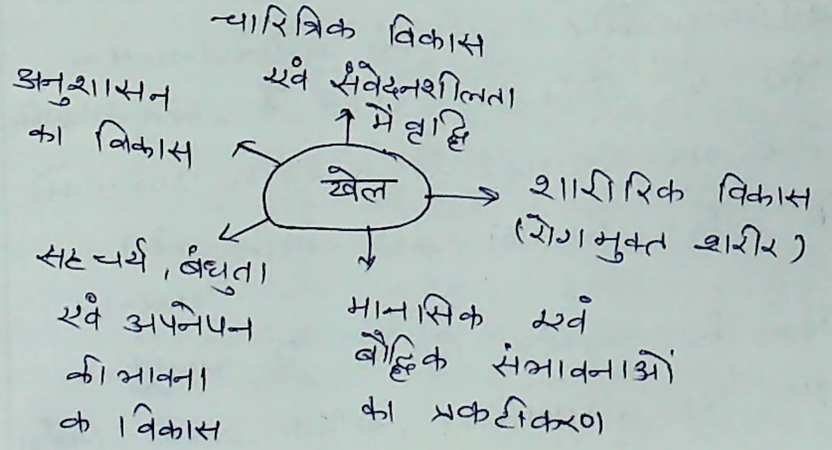

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खेलों की बात करें तो वैश्विक स्तर पर कई खेलों की स्वीकार्यता है। कई खेल अन्य खेलों की तुलना में अधिक प्रसिद्ध हैं। यह कुछ प्रसिद्ध खिलाड़ियों पर एक नैतिक दायित्व भी उत्पन्न करते हैं। चूंकि खिलाड़ी पूरे समाज, विश्व द्वारा देखे एवं अनुसरित किए जाते हैं। फलतः उनका नैतिक एवं उत्तम चारित्रिक विशेषता युक्त होना संपूर्ण विश्व को अपेक्षित है।

"भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली सोशल मीडिया पर फॉलो किए जाने वाले प्रमुख एथलीटों में एक है। अतः उसका चरित्र, पहनावा, खान-पान काफी लोगों को प्रभावित करेगा।"

इसी आधार पर विश्व भर में अनेक हस्तियों को वैश्विक स्तर पर अपनी स्वीकार्यता एवं प्रसिद्धि बढ़ाने हेतु चारित्रिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विकास आवश्यक है।

"खेल को सिर्फ जीतने के लिए नहीं खेला जाना चाहिए; अपितु खेल भावना से प्रेरित होकर खेला जाना चाहिए।"

कथन स्पष्ट तौर पर चरित्र एवं आईचारे को विकसित करने हेतु महत्वपूर्ण संदर्भ को उजागर करता है। इसी आधार पर खेलों में अनैतिकता को समाप्त करने हेतु कई सम्मेलन एवं प्रस्ताव अपनाए गए हैं:

① <u>मैकोलिन प्रस्ताव:</u> प्रमुखतः क्रिकेट जैसे खेल में होने वाली फिक्सिंग को रोकने हेतु हस्ताक्षरित

② <u>एंटी डोपिंग प्रस्ताव:</u> खिलाड़ियों द्वारा मादक पदार्थ अथवा उत्तेजक पदार्थों के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रयोग को प्रतिबंधित करने हेतु प्रस्ताव

ऐसे अन्य कई प्रस्ताव चारित्रिक रूप से खिलाड़ियों को उत्तम बनने एवं नैतिकता विकसित करने हेतु अपनाए गए हैं।

एक उदाहरण के माध्यम से समझते हैं:

→ देवेन्द्र झाझड़िया, भारतीय राज्य राजस्थान से ताल्लुक रखते हैं। किसी दुर्घटना में अपना हाथ गँवा देने पर भी वे अपने खेल से जुड़े रहे और अपने आंतरिक इच्छाशक्ति एवं महान चरित्र से पैरा ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने में कामयाब रहे।

→ एक और उदाहरण - एस० श्रीसंथ भारतीय क्रिकेट टीम के हिस्सा थे। आई पी एल में फिक्सिंग में क्रिकेट से बाहर निकाले गए। परंतु

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपने अतीत को भुलाकर वे एक अच्छे चरित्र को अपनाकर पुनः क्रिकेट की दुनिया में आए और अपने राज्य की तरफ से खेले।"

उपर्युक्त उदाहरणों से ज्ञात होता है कि चरित्र व्यक्ति का स्वयं निर्मित होता है। व्यक्ति चारित्रिक रूप से कमजोर होते हुए विश्व, समाज के समक्ष अपने आप को प्रस्तुत करने में हिचकिचाता है।

परंतु खेल एक ऐसा जरिया है, जो उसके चरित्र को सभी के समक्ष प्रस्तुत करेगा, जिससे व्यक्ति विशेष अपने चरित्र को और बेहतरीन तथा उत्तम बनाने हेतु प्रयासरत रहेगा।

चारित्रिक विशेषताएँ जन्मजात न होकर सीखी जाती हैं। एक अच्छा परिवेश चारित्रिक रूप से व्यक्ति को मजबूत, तो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वहीं खराब परिवेश चारित्रिक रूप से कमजोर बनाता है।

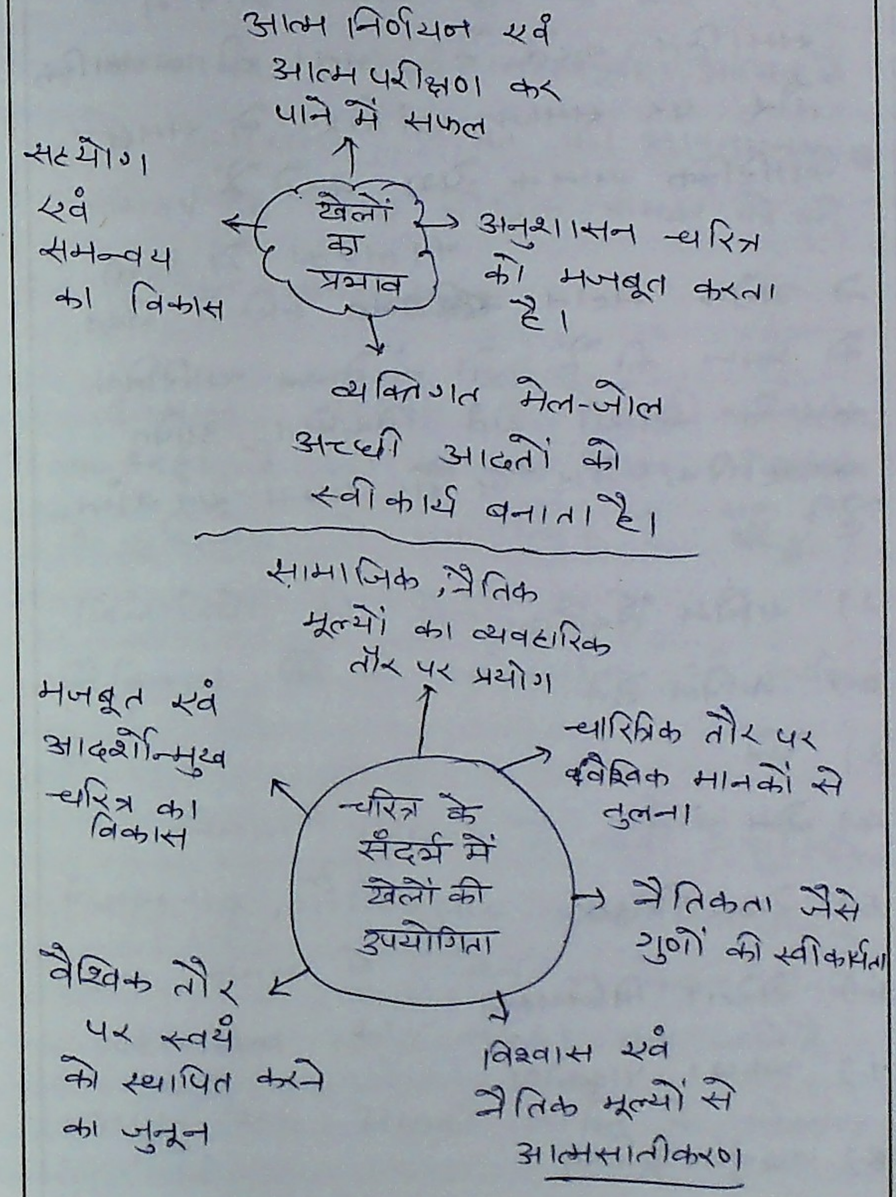

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खेल जहाँ तक सामाजिक तौर पर एक तुलना योग्य एवं स्वीकार्य चारित्रिक विशेषताओं का पुट अपने आप में समाहित करते हैं, अतः ही व्यवसायिक तौर पर समाज एवं विश्व के समक्ष चारित्रिक मानक पेश करते हैं।

कालान्तर में खेलों ने अनेक महान ~~व्यक्तित्व~~ हस्तियाँ विश्व को प्रदान की हैं, जो न केवल चारित्रिक रूप से स्थायी एवं विकसित अपितु व्यवहारिक तौर पर बड़े साम्य एवं शांत हैं:

1.) सचिन तेंदुलकर
2.) कपिल देव
3.) पेले
4.) शेन वॉर्न
5.) रोजर फेडरर
6.) सेरेना विलियम्स
7.) प्रकाश पादुकोण
8.) वाइचुंग भूटिया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साथ ही खेल विश्वास एवं अंतर्मन की आवाज को सुदृढ़ करने में भी सहायक है। खेल व्यक्ति विशेष के तौर पर एक आवश्यक एवं महत्वपूर्ण अवयव है, जो यथासंभव व्यक्ति की भावनात्मक समझ के साथ बौद्धिक समझ को भी विकसित करेगा।

वर्तमान परिदृश्य में खेल की स्वीकार्यता बढ़ रही है, जो एक देश एवं समाज के दृष्टिकोण से सकारात्मक है; साथ ही खिलाड़ियों की खेलों के प्रति नैतिकता की स्वीकार्यता भी अपरिहार्य है।

वर्तमान परिदृश्य में बढ़ता आधुनिकीकरण, विज्ञानवाद, भौतिकवाद, उपयोगितावाद के इस समय में खेल न केवल मानसिक स्थायित्व का मुद्दा बन जाते हैं, अपितु एक आदर्श व्यक्ति के निर्माण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में आवश्यक भूमिका निभाते हैं।

खिलाड़ियों के साथ हो रहे भेदभाव, शोषण इत्यादि के प्रति पहलवान खिलाड़ियों का विरोध उनके चारित्रिक स्थायित्व, नैतिकता एवं समानुभूति जैसे गुणों का परिचायक है, जो एक स्थायी एवं परिपक्व चरित्र के आवश्यक गुण हैं।

इसी आधार पर खिलाड़ी खेल के माध्यम से चरित्र को प्रकट कर पाते हैं साथ ही पूरे विश्व को यह सीख दे पाते हैं कि चरित्र परिपक्व एवं नैतिक होना आवश्यक है क्योंकि चारित्रिक तौर पर मजबूत व्यक्ति बाधाओं को डटकर सामना कर सकता है। इसी आधार पर कहा जाता है।

"जो जीता वही सिकंदर।"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खण्ड-B

(6) किसी राष्ट्र के भूगोल को जानना उसकी विदेश नीति को जानना है।

"मित्र का विकल्प होता है, पड़ोसी का नहीं"

उक्त पंक्ति वर्तमान परिदृश्य में प्रत्येक राष्ट्र के संदर्भ में उपयुक्त बैठती है।

व्यवहारिक तौर पर किसी भी देश की विदेश नीति उसके पड़ोसी देशों की स्थिति एवं भौगोलिक सीमाओं की स्थिति पर अत्यंत निर्भर करती है।

भारतीय संदर्भ में बात करें, तो भारत सदा से ही शांतिप्रिय देश रहा है। भारत की नीति "<u>प्रथम आक्रमण नहीं करने</u>" की नीति रही है।

भारत के पड़ोसी देशों के साथ भारत के व्यवहार से भारत की लगभग सभी नीतियाँ (विशेषत: रक्षा एवं विदेश नीति) प्रभावित होंगी। यह संदर्भ संपूर्ण विश्व के दृष्टिकोण से सत्य एवं व्यवहारिक नीत होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्राचीन समय से ही अपने साम्राज्य की सुरक्षा करने हेतु विभिन्न प्रशासक अपने आस-पास के राष्ट्रों की नीतियों एवं अपनी भौगोलिक अवस्थिति पर अत्यधिक निर्भर करते थे।

वर्तमान समय में भौगोलिक परिस्थितियाँ एक महत्वपूर्ण कारक है: विदेश नीति निर्धारण हेतु।

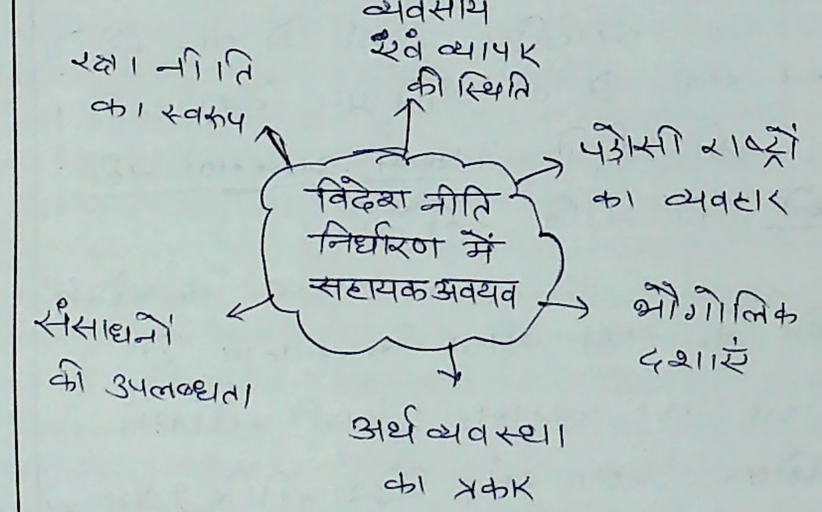

उपर्युक्त तत्व विदेश नीति के निर्धारण में सहायक हो सकते हैं। भौगोलिक अवस्थिति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी भी राष्ट्र के लिए एवं संवेदनशील बिंदु रहता है तथा इसी के आधार पर अनेक निर्णय प्रासंगिकता के साथ उठाए जाते हैं।

आइए कुछ उदाहरणों के साथ समझते हैं:

1.) समतल मैदानी भाग अधिक मात्रा में होने पर उद्योगों की स्थापना हेतु जमीन उपयुक्त होगी। साथ ही अगर जलवायविक दशाएं कृषि के अनुकूल हों, तो औद्योगिक निवेश हेतु विदेश नीति बनाई जा सकती है।

2.) भारत के संदर्भ में भौगोलिक स्तर पर चीन जैसे राष्ट्रों की मौजूदगी को काउंटर करने हेतु भारतीय परिवेक्ष्य में अमेरिका के साथ मैत्रीवत संबंध अधिक अपेक्षित होंगे।

3.) संसाधनों की उपलब्धता की दृष्टि से किसी देश के साथ मुक्त व्यापार की नीति को भी एक रणनीतिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कदम माना जा सकता है, जो अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण हो सकता है।

→ पानी की प्रचुर उपलब्धता होने पर जल विद्युत संयंत्रों में निवेश करने हेतु विदेशी शक्तियों को आमंत्रित किया जा सकता है।

→ पहाड़ी क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास एवं पूँजी-निर्माण दर अपेक्षाकृत कम होती है। इसके विकास हेतु उन्नत प्रौद्योगिकी निवेश के लिए समझौते किए जा सकते हैं।

→ प्राकृतिक सौंदर्य अधिक होने पर पर्यटन [redacted] की दृष्टि से विदेश नीति का निर्माण किया जा सकता है।

→ सूखा क्षेत्र अधिक होने पर विदेश नीति इस प्रकार की बनाई जाती है, जो जनसामान्य के विकास हेतु आवश्यक हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्राचीन काल से ही विदेश नीति किसी देश द्वारा अन्य शक्तियों के साथ सहयोजन द्वारा लाभान्वित होने हेतु बनाई जाती रही है। इसमें भौगोलिक कारक महत्वपूर्ण रहे हैं।

इस संदर्भ में भारत की विदेश नीति को उदाहरण के तौर पर समझते हैं:

① भारत के पड़ोसी देशों में कुछ मित्रवत् एवं कुछ अमित्रवत व्यवहार करते हैं।

② चीन जैसे महाशक्ति के समक्ष अपनी क्षमता सिद्ध करने हेतु अपेक्षाकृत अधिक शक्तिशाली राष्ट्र के साथ मित्रवत् संबंध

③ उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण विकास को गति देने हेतु निवेश की बल। चूँकि यहाँ नदियाँ काफी मात्रा में प्रवाहित होती हैं, अतः जल-विद्युत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

परियोजना को बल।

4.) सीमाएं विवादास्पद होने के कारण वार्ता समझौताओं पर अधिक महत्व। क्योंकि अर्थव्यवस्था विकासशील है, ऐसे में युद्ध वहन नहीं किया जा सकता।

5.) धार के मरुस्थल में सूर्य का प्रकाश पर्याप्त मात्रा में मिलने के कारण सौर ऊर्जा निवेश व हवा के पर्याप्त प्रवाह के कारण पवन ऊर्जा के उत्पादन हेतु निवेश को बल

6.) दक्कन के पठार एवं भारतीय उच्च भूमि से संसाधन उत्खनन प्रचुर मात्रा में होने के कारण खनिज निष्कर्षण उद्योगों के निवेश को बल।

7.) समुद्र से घिरा होने के कारण समुद्री व्यापार एवं समुद्री संसाधन निष्कर्षण हेतु निवेश पर बल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8.) उत्तर पूर्व में सड़क कनेक्टिविटी उन्नत नहीं होने के कारण सड़क एवं परिवहन में निवेश पर बल एवं जंगलों की उपस्थिति होने के कारण जंगल आधारित उद्योगों को बल।

* उपर्युक्त उदाहरण से ज्ञात होता है कि भारत की विदेशी निवेश नीति किस प्रकार है।

चूँकि भारत विकासशील राष्ट्र है और साथ ही एशिया में अवस्थित उभरती हुई शक्ति है, जो भविष्य में चीन को काउंटर करने हेतु उभर सकती है। इसी आधार पर भारत कई यूरोपीय राष्ट्रों एवं अमेरिका हेतु सुकर है। साथ ही भारत की भौगोलिक दशाएं इसमें अतिरिक्त रूप से निर्णायक की भूमिका निभा रही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी देश की भौगोलिक स्थिति एक प्रकार की होने पर अन्य देशों के प्रति उसकी विदेश नीति समान प्रकार की समस्याओं से निपटने और एक ही प्रकार से विकास करने हेतु बनायी जाती है।

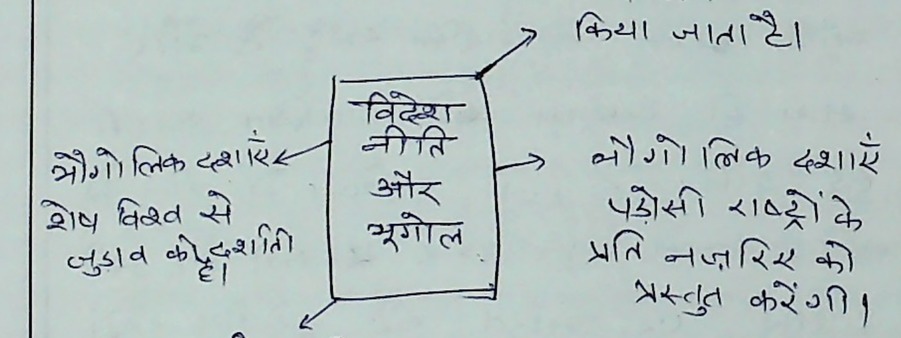

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ भौगोलिक दशाएँ किसी देश की संपूर्ण विश्व के साथ जुड़ाव की स्थिति को दर्शाती है, जो निवेश, नीति-निर्माण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

→ सामुद्रिक निकटता भी विदेश नीति को प्रभावित करती है।

→ किसी भी उद्योग को बढ़ने एवं फलने-फूलने के लिए आवश्यक दशाएँ अनिवार्यतः जरूरी होती हैं। इसी आधार पर निवेश निर्भर करता है।

→ भौगोलिक दशाएँ यूरोप की बेहतर होने के कारण उसका अन्य देशों से साम्य का रिश्ता है। यूरोपियन यूनियन जैसे संघ की उपस्थिति भी समान भौगोलिक दशाओं का ही परिणाम है। इसी आधार पर ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस जैसी शक्तियाँ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के बीच एक साम्य एवं तारतम्य की स्थिति बनी रहती है।

विदेश नीति मुख्यतः व्यापार, रक्षा, औद्योगिक, इत्यादि अवस्थाओं को प्रभावित करती है। एक उन्नत व्यापार नीति न केवल देश को अपितु संपूर्ण विश्व को उत्तरदायी बनाती है, ताकि एक बेहतर भविष्य, सतत पर्यावरण एवं साझा जीवन की कल्पना की जा सके। साथ ही SDG ~~&~~ Goals की प्राप्ति की जा सके।

विदेश नीति न केवल भौगोलिक ; बल्कि राजनीतिक एवं धार्मिक रूपों पर भी निर्भर करती है। अतः किसी भी देश को अपनी विदेश नीति बेहतर करने हेतु अपनी राजनीतिक व धार्मिक व्यवस्था को सुधारना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

चूंकि पहाड़ पर्यटन हेतु, मैदान उद्योग हेतु, समुद्र व्यापार हेतु अपरिहार्य होते हैं, उसी प्रकार अन्य देशों के प्रति ये भौगोलिक दशाएँ किसी देश के व्यवहार को प्रदर्शित करती है।

"भारत की भौगोलिक अवस्थिति रणनीतिक एवं सामरिक रूप से विश्व में केंद्र में प्रतीत होती है। साथ ही एक बड़े बाजार के साथ प्रत्येक देश अपने वैदेशिक संबंध बेहतर करना चाहता है। यह जितना वर्तमान में प्रासंगिक है ; शायद भविष्य में भी हो ; क्योंकि भारत विश्व का भौगोलिक केंद्र है।"

उक्त वाक्य वैदेशिक नीति एवं भौगोलिक परिस्थितियों के सामंजस्य को प्रदर्शित करता है, जो व्यवहारिक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation